

राधा कहे, कहे ओ कन्हैया ^{sssss}
मैं हूँ अकेली, नहीं कोई और सहेली
अब बजादे बांसुरिया ^{sssss} ॥२॥

राधा कहे - - - - -

① देख तेरी सरियाँ यहाँ, आयेंगी ^{sssss}
आकर के मुझको, सतायेंगी ^{sssss}
तानें भरी बातें, सुनायेंगी ^{sssss}
रह रह के मुझको, खलायेंगी ^{sssss}
फिर तो जरा सुन, सुन मेरे सँवरिया ^{sssss} ॥२॥

मैं हूँ अकेली - - - - - राधा कहे - - - - -

② वंशी की धुन तेरी, सावरे ^{sssss}
नैना लगे तेरे, बाबर ^{sssss}
तुम दौड़के मैं कहाँ जाऊँ रे ^{sssss}
वंशी की धुन पे दौड़ी आऊँ रे ^{sssss}
सूना कदम, कदम की ये धाँयाँ ^{sssss} ॥२॥

मैं हूँ अकेली - - - - - राधा कहे - - - - -

③ मुझे है जरूर तेरी, दौव की ^{sssss}
जिन्दगी मेरी है बिना, नाव की ^{sssss}
मुझे नजर लगी, गाँव की ^{sssss}
ऐसे पायल मेरी, पाँव की ^{sssss}
नाचूँगी मैं, उल गलै बीयाँ ^{sssss} ॥२॥

मैं हूँ अकेली ----- राधा के -----

④ महिमा "श्रीबाबाजी" ~~वज्र~~धाम की ^{sssss}
ओढ़ी चून्नी तेरे, नाम की ^{sssss}
हो गई दिवानी मैं तो, शाम की ^{sssss}
चिन्ता नहीं है मुझे, शाम की ^{sssss}
नौचें मेश मन, बोल रही कोयलिया ^{sssss} ॥२॥

मैं हूँ अकेली ----- राधा के -----